K–105

Total Page No. : 4] **[Roll No. .....**

BASL-201

B.A. IInd Year Examination Dec., 2023

पद्य गद्य एवं व्याकरण

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि बाणभट्ट का परिचय देते हुए, उनके कृतित्व का उल्लेख कीजिये।

2. अधोलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिये :

(क) तथापि जिहमः से भवज्जिगीषया,

तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।

समुन्नयन्भूतिमनार्यसंगमा

द्वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः॥

(ख) असक्तमाराधयतो यथायथं

विभज्य भक्त्या समपक्षपातया।

गुणानुरागादिव सख्यमीयिवान्

न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्॥

3. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिये :

(क) यज्ञांगयोनित्वमवेक्ष्य यस्य सारं धरित्रीधरणक्षमं च।

प्रजापतिः कल्पितयज्ञभागं शैलाधिपत्यं स्वयमन्वतिष्ठत्॥

(ख) दिने-दिने सा परिवर्धमाना लब्धोदया चान्द्रमसीव लेखा।

पुपोष लावण्यमयान्विशेषाञ्ज्योत्स्नान्तराणीव कलान्तराणि॥

4. 'सुद्धयुपास्य' शब्द की सिद्धि कीजिये। सुद्धयुपास्य की सिद्धि में प्रयुक्त होने वाले सूत्रों की व्याख्या कीजिये।

5. प्रत्यहारों का क्या महत्व है ? प्रत्यहार विधायक सूत्र का निरूपण कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिये।

2. अधोलिखित गद्य की हिन्दी में व्याख्या कीजिये :

   तात! चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्य अधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गत एव अभानुभेद्यमरत्नालोकच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्। अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः। कष्टमननञ्जनवर्तिसाध्यमपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्। अशिशिरोपचारहार्याऽतितीव्रः दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यः विषमो विषयविषास्वादमोहः।

3. निम्नलिखित पद्य की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :

   स किंसखा साधु प शास्ति योऽधिपं
   हितान्न यः संश्रृणुते से किंप्रभुः।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं
   नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

4. अधोलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिये :

   वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः।

5. निम्नलिखित पदों की सिद्धि कीजिये :

(क) नरेन्द्रः

(ख) कृष्णैकत्वम्

6. निम्नलिखित सूत्रों की व्याख्या कीजिये :

(क) वृद्धिरादैच्

(ख) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः

7. शुकनासोपदेश में वर्णित लक्ष्मी के दुर्गुणों का वर्णन अपने शब्दों में लिखिये।

8. कुमारसम्भवम् के नायक का वर्णन कीजिये।

****